आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–25 सितम्बर 2025 सान्ध्य समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि वैश्विक व्यवधानों और अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का निरंतर विकास हो रहा है। ये व्यवधान देश को विचलित नहीं करते बल्कि इन परिस्थितियों से नई दिशा और अवसर मिलते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा।

हम चिप से शिप तक भारत में बनाना चाहते हैं और इसलिए आपकी ऐज ऑफ बीइंग बिजनेस के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। सरकार ने 40 हजार से ज्यादा कंप्लेंट खत्म किए हैं। जिन छोटी–छोटी गलतियों पर आपके खिलाफ केस होता था। ऐसे सैकड़ों नियम उनको सरकार ने डीप क्रिमिलाइज कर चुकी है।

प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन में जीएसटी सुधारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये सुधार जीएसटी पंजीकरण को सरल बनाएंगे, कर विवादों को कम करेंगे और एमएसएमई के लिए रिफंड में तेजी लाएंगे, जिससे हर क्षेत्र को लाभ होगा।

इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया और कहा कि ऐतिहासिक अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लागू होने के बाद यह प्रधानमंत्री की प्रदेश की पहली यात्रा है।

प्रदर्शनी स्थल पर प्रधानमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध उत्पादों के बारे में जानकारी भी ली।

****

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु आज मथुरा जिले के वृंदावन धाम पहुंचीं। वहां उन्होंने अपने परिवार के साथ प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन पूजन किया। हमारे संवाददाता ने बताया कि राष्ट्रपति दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से विशेष ट्रेन द्वारा वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन पहुँचीं। प्रदेश सरकार में मंत्री लक्ष्मीकांत चौधरी ने स्टेशन पर उनका स्वागत किया। अपने एक दिवसीय दौरे में राष्ट्रपति ने कई अन्य प्रमुख मंदिरों में भी दर्शन पूजन किया।

****

आज मेक इन इंडिया पहल की 11वीं वर्षगांठ है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि मेक इन इंडिया पहल भारत के विकास को गति देने और हमारे देश की उद्यमशीलता क्षमता का दोहन करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सेवा और सुशासन के मंत्र से प्रेरित होकर, परिवर्तन तथा प्रगति लाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। आज, इस विशेष श्रृंखला – 'सेवा पर्व' में, हम आपके लिए ला रहे हैं कि कैसे मोदी सरकार ने रक्षा उत्पादन को मजबूत किया है, जिससे भारत आत्मनिर्भर बना और वैश्विक रक्षा बाजार में वह एक उभरती हुई शक्ति बन गया है।

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता नरेन्द्र मोदी सरकार की सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में से एक है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मेड इन इंडिया की ताकत देखने को मिली। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के महत्व पर जोर दिया.।

आपने ऑपरेशन सिंदूर में देखा मेड इन इंडिया की कमाल क्या थी कि दुश्मन को पता तक ना चला कौन सा शस्त्रास्त्र है कि कौन सा सामर्थ्य है पलक भर में उनको नष्ट कर रहा है। सोचिए अगर हम आत्मनिर्भर ना होते तो क्या ऑपरेशन सिंदूर इतनी बड़ी गति से हम कर पाते।

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में, वार्षिक रक्षा उत्पादन 2024–25 में एक लाख 50 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया, जो 2014–15 के मुकाबले तीन गुना से भी ज्यादा है। मेक–इन–इंडिया भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अनिवार्य घटक है। इसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रभावी कार्रवाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आनंद की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से सरफिरोजी।

****

बीते बाइस सितम्बर से लागू अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के कारण विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं पर कर की दर कम होने से नागरिकों को काफी राहत मिल रही है। एक रिपोर्ट–

सरकार ने लकड़ी, पत्थर, और धातु से बनी मूर्तियों पर टैक्स दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। टैक्स में कमी से पेंटिंग, हस्तनिर्मित, मोमबत्तियां, लकड़ी से बने सामान और मिट्टी तथा तेरा कोटा से बने बर्तन सस्ते हुए हैं जिसका लाभ ग्राहकों को मिल रहा है। इसी प्रकार कॉटन और जूट से बने हैंडबैग और शॉपिंग बैग पर भी टैक्स दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है जिससे इन वस्तुओं की खरीदारी में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। त्योहारों के मौसम में हस्तशिल्प क्षेत्र में सुधार से जहां ग्राहकों को फायदा मिल रहा है, वही इस क्षेत्र के कारीगरों की भी आजीविका बेहतर हुई है। दृष्टि पुनियानी के साथ सौम्या शरण आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

'स्वच्छता ही सेवा अभियान–2025' के तहत वाराणसी के पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड उपकेंद्र में आज अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक घंटे श्रमदान किया। इस दौरान साफ–सफाई के साथ साथ लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बंद करने के लिए जागरूक भी किया गया।

****